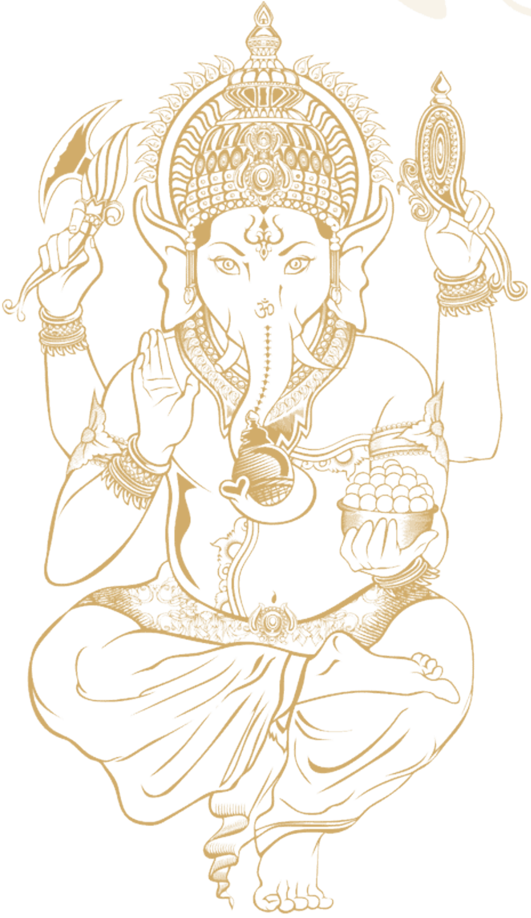

Anita

06 May 2001

12:21 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb **Order No: 121535702**

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/05/2001**
दिन	रविवार
जन्म समय	**12:21:00 घंटे**
इष्ट	17:20:23 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:14:36 घंटे
वेलान्तर	00:03:23 घंटे
साम्पातिक काल	03:11:24 घंटे
सूर्योदय	05:24:50 घंटे
सूर्यास्त	18:41:38 घंटे
दिनमान	13:16:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:56:25 मेष
लग्न के अंश	28:50:36 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:50:36	313:47:58	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मेष	21:56:25	00:58:04	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	उच्च राशि
चंद्र			तुला	05:27:35	13:53:01	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल			धनु	05:00:11	00:03:51	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	मित्र राशि
बुध			वृष	06:17:10	01:54:45	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
गुरु			वृष	20:45:23	00:13:01	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	12:03:57	00:30:50	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शनि			वृष	08:01:06	00:07:34	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	13:42:23	00:08:48	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	13:42:23	00:08:48	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:44:38	00:01:08	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:54:01	00:00:09	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	20:47:45	00:01:21	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	26:25:06	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:15

लग्न-चलित

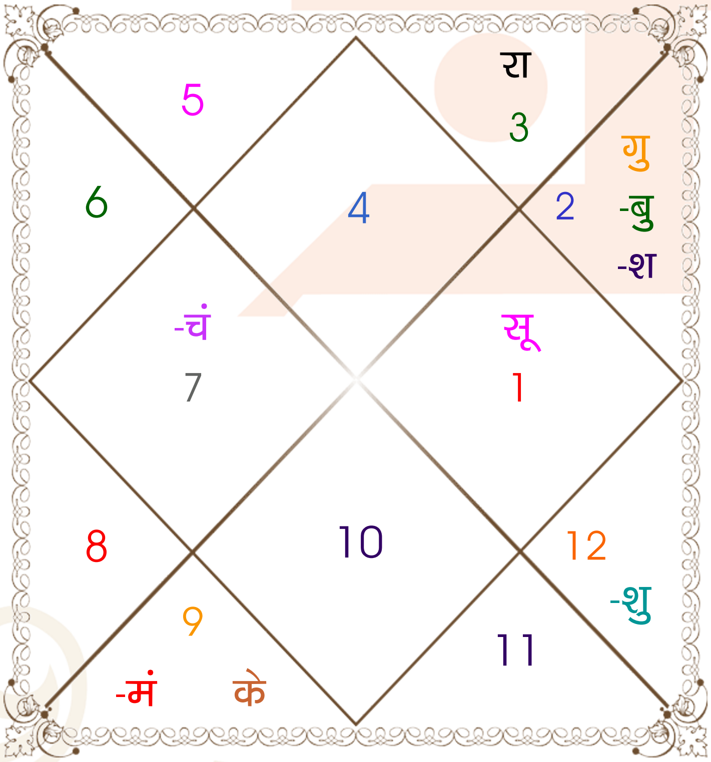

चन्द्र कुंडली

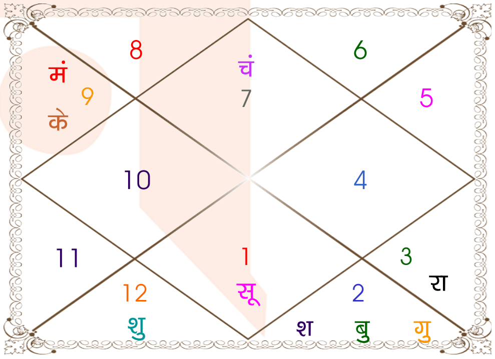

नवमांश कुंडली

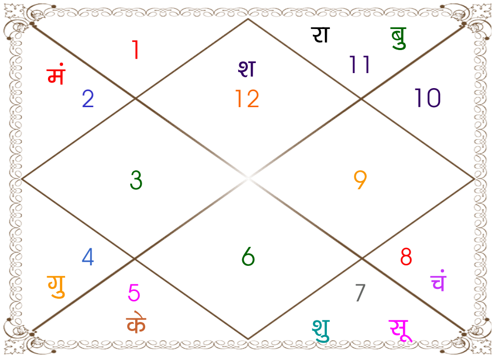

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 7 मास 18 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/05/2001		23/12/2001		24/12/2019		24/12/2035		24/12/2054	
23/12/2001		24/12/2019		24/12/2035		24/12/2054		24/12/2071	
	00/00/0000	राहु	05/09/2004	गुरु	10/02/2022	शनि	27/12/2038	बुध	21/05/2057
	00/00/0000	गुरु	29/01/2007	शनि	23/08/2024	बुध	05/09/2041	केतु	19/05/2058
	00/00/0000	शनि	05/12/2009	बुध	29/11/2026	केतु	15/10/2042	शुक्र	18/03/2061
	00/00/0000	बुध	24/06/2012	केतु	05/11/2027	शुक्र	14/12/2045	सूर्य	23/01/2062
	00/00/0000	केतु	12/07/2013	शुक्र	06/07/2030	सूर्य	26/11/2046	चंद्र	24/06/2063
	00/00/0000	शुक्र	12/07/2016	सूर्य	24/04/2031	चंद्र	27/06/2048	मंगल	21/06/2064
	06/05/2001	सूर्य	06/06/2017	चंद्र	23/08/2032	मंगल	05/08/2049	राहु	08/01/2067
सूर्य	24/05/2001	चंद्र	05/12/2018	मंगल	30/07/2033	राहु	11/06/2052	गुरु	15/04/2069
चंद्र	23/12/2001	मंगल	24/12/2019	राहु	24/12/2035	गुरु	24/12/2054	शनि	24/12/2071

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/12/2071		24/12/2078		24/12/2098		24/12/2104		25/12/2114	
24/12/2078		24/12/2098		24/12/2104		25/12/2114		00/00/0000	
केतु	21/05/2072	शुक्र	24/04/2082	सूर्य	12/04/2099	चंद्र	25/10/2105	मंगल	23/05/2115
शुक्र	21/07/2073	सूर्य	24/04/2083	चंद्र	12/10/2099	मंगल	26/05/2106	राहु	09/06/2116
सूर्य	26/11/2073	चंद्र	23/12/2084	मंगल	17/02/2100	राहु	25/11/2107	गुरु	16/05/2117
चंद्र	27/06/2074	मंगल	22/02/2086	राहु	11/01/2101	गुरु	26/03/2109	शनि	25/06/2118
मंगल	23/11/2074	राहु	22/02/2089	गुरु	31/10/2101	शनि	25/10/2110	बुध	22/06/2119
राहु	12/12/2075	गुरु	24/10/2091	शनि	13/10/2102	बुध	25/03/2112	केतु	18/11/2119
गुरु	17/11/2076	शनि	24/12/2094	बुध	19/08/2103	केतु	24/10/2112	शुक्र	18/01/2121
शनि	27/12/2077	बुध	24/10/2097	केतु	25/12/2103	शुक्र	25/06/2114	सूर्य	07/05/2121
बुध	24/12/2078	केतु	24/12/2098	शुक्र	24/12/2104	सूर्य	25/12/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 7 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।